www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240
आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर...
3 ठनका से बचाव के लिए सतर्कता जरूरी: नवीन
4 हरियाणा पुलिस अकादमी में वॉलीबॉल और...

वर्षः 9 | अंकः 276 | दिल्ली, बुधवार, 30 जुलाई 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

बिहार में एनडीए एकजुट, नीतीश फिर से सीएम बनेंगे: चिराग पासवान

बिहार (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री और एनडीए के सहयोगी चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के बाद फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। चिराग पासवान ये यू-टर्न लिया है क्योंकि वह लगातार बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सीएम नीतीश कुमार की आलोचना करते रहे हैं। लोजपा (रामविलास) प्रमुख की यह टिप्पणी नीतीश कुमार सरकार का समर्थन करने पर अफसोस जताने के दो दिन बाद आई है, जिस पर उन्होंने आरोप लगाया था कि उसने अपराधियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए गठबंधन का सहयोगी होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि अगर सरकार में किसी मुद्दे के बारे में कोई जानकारी है, तो हमें उस पर चर्चा करनी होगी और सुधार करना होगा... हम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं और चुनाव जीतने के बाद वह फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे... बिहार में एनडीए एकजुट है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, पासवान ने कहा: "मैं सचमुच चाहता हूँ..." उन्होंने आगे कहा कि एक ईमानदार सहयोगी होने के नाते, क्या मुझे सिर्फ.उन्हीं सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिन पर मैं चुनाव लड़ रहा हूँ? फिर मैं कैसा सहयोगी हूँ? क्या मुझे 243 सीटों पर प्रचार नहीं करना चाहिए? अगर वे (विपक्ष) मेरी बात पूरी तरह सुन लें, तो उनके इरादे शांत हो जाएँगे। बिहार के हाजीपुर से सांसद पासवान ने कहा कि एनडीए चुनावों के लिए एक "विजयी गठबंधन" है और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार दोहराया है कि मेरी प्रतिबद्धता और प्रेम प्रधानमंत्री के प्रति है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में (बिहार में) चुनाव लड़े जाएँगे। चुनाव परिणामों के बाद, नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। निश्चित रूप से, वह मुख्यमंत्री होंगे।" बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर पासवान ने कहा कि यह प्रक्रिया पहले चार बार हो चुकी है और इसमें कोई अंतर नहीं आया है, सिवाय इसके कि अब डिजिटल प्रौद्योगिकी को जोड़ दिया गया है।

हरिद्वार हादसे के पीड़ितों को श्रद्धांजलि, व्यापार मंडल ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई

हरिद्वार (एजेन्सी)। राज्य व्यापार मण्डल उत्तराखंड हरिद्वार महानगर इकाई द्वारा माँ मनसा देवी मंदिर मार्ग में हुए हादसे में मृतको की आत्मा शांति के लिए माँ गंगा हरकी पौड़ी में दीपदान किया गया और घायल हुए श्रद्धालुओं की जल्दी स्वस्थ होने की कामना माँ गंगा से की गयी। प्रदेश अध्यक्ष राजेंदर चौटाला ने कहा की श्रद्धालु मन की शांति के लिए हरिद्वार आते है अव्यवस्थाओं के चलते यह हादसा हुआ है सरकार को निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करनी चाहिए। अवैध अतिक्रमण पर तत्काल कार्यवाही होनी चाहिए हमारा संगठन पूर्व में भी पुलों, घाटों, सड़को पर अतिक्रमण करने वालो के खिलाफ रहा है श्रद्धांजलि देने वालो में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सुमित अरोड़ा, प्रदेश महामंत्री चंद्रशेखर गोस्वामी, महानगर अध्यक्ष संदीप अग्रवाल, युवा जिलाध्यक्ष विशाल गोस्वामी, प्रदेश उपाध्यक्ष तेजप्रकाश साहू, हरकी पौड़ी व्यापार मण्डल अध्यक्ष गौरव अग्रवाल, महामंत्री रिक्की अरोड़ा, प्रदेश सयुंक्त सचिव राज कांडपाल, प्रदेश प्रचार सचिव गोकुल सिंह रावत, प्रदेश सह सचिव नितिन शर्मा, सोनल गर्ग, निखिल मिश्रा, अनूप झा, सचिन आदि उपस्थित रहे।

मराठा समुदाय के साथ सरकार ने किया धोखा, 29 अगस्त से फिर से अनशन पर बैठेंगे मनोज जरांगे

महाराष्ट्र (एजेन्सी)। आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधते हुए मराठा समुदाय से किए गए अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। जालना ज़िले के अंतरवाली सारथी गाँव में मीडिया से बात करते हुए, जरांगे ने गहरी निराशा व्यक्त की और आरोप लगाया कि सरकार ने मराठा समुदाय के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो वे 29 अगस्त से मुंबई में फिर से भूख हड़ताल शुरू करेंगे। अतीत में कई भूख हड़तालों का नेतृत्व कर चुके जरांगे ने लगातार मांग की है कि सभी मराठों को आधिकारिक तौर पर कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए एक कृषि प्रधान जाति जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आती है। उन्होंने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की भी मांग की है। उन्होंने लगातार ऐतिहासिक अभिलेखों को लागू करने की मांग की है, जिनमें बॉम्बे, सतारा और हैदराबाद के राजपत्र शामिल हैं, जिनके बारे में उनका दावा है कि ये मराठा समुदाय को कुनबी के रूप में वर्गीकृत करते हैं। जारांगे ने कहा, मराठों की चार प्रमुख माँगें, जिनके लागू होने का सरकार ने आश्वासन दिया था, पूरी नहीं हुई हैं। सरकार ने एक बार फिर समुदाय को धोखा दिया है।

कांग्रेस ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाकर मीडिया में जगह ले सकते हैं, लेकिन देशवासियों के दिल में जगह नहीं बना सकते-प्रधानमंत्री मोदी

(एजेन्सी)।
नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र चल रहा है। संसद के दोनों सदनों यानी कि लोकसभा और राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा हुई। लोकसभा में अमित शाह के साथ-साथ प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव, केसी वेणुगोपाल जैसे वरिष्ठ नेताओं ने अपना वक्तव्य रखा। बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोकसभा में अपने विचार रखें। दूसरी ओरर राज्यसभा में आज ऑपरेशन सिंदूर की पर चर्चा की शुरूआत हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी शुरूआत की और बाद में कई वरिष्ठ नेताओं ने इस पर आगे की चर्चा को बढ़ाया। मल्लिकार्जुन खड़गे राजनाथ सिंह के बाद बोलने वाले दूसरे नेता थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहलगाम हमला भारत में दंगे फैलाने की साजिश थी, मैं देशवासियों का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने एकता के साथ उस साजिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि गर्व है कि आतंकियों को ऐसी सजा दी कि आतंक के आकाओं की नींद उड़ी हुई है। थलसेना, वायुसेना और नौसेना के बीच के समन्वय ने पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाकर मीडिया में जगह ले सकते हैं, लेकिन देशवासियों के दिल में जगह नहीं बना सकते। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग भारतीय सेना के बयान पर विश्वास नहीं करके पाकिस्तान के झूठ एवं प्रचार को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कल हमारे सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन महादेव चलाकर पहलगाम के हमलावरों को अंजाम तक पहुंचाया...लेकिन कल यहां पूछा गया कि आज ही क्यों हुआ, क्या ऑपरेशन के लिए सावन महीने का सोमवार ढूंढा गया था। पिछले कई सप्ताह से पूछा जा रहा था कि पहलगाम के आतंकियों का क्या हुआ और जब आतंकियों को मार गिराया गया तो कल ही क्यों हुआ... क्या हाल है इन लोगों का। मोदी ने कहा कि सेना का विरोध करना और उनके प्रति नकारात्मकता कांग्रेस का पुराना रवैया रहा है... अभी देश ने कारगिल विजय दिवस मनाया, लेकिन देश जानता है कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में और आज तक न तो कारगिल की विजय को अपनाया है, न ही कारगिल विजय दिवस मनाया है, और न ही कारगिल का गौरव किया है। पाकिस्तान के सभी बयानों और यहां हमारा विरोध करने वालों के बयानों को उठा लीजिए, वे पूर्ण विराम और अल्पविराम के साथ बिल्कुल एक जैसे हैं... देश हैरान है कि कांग्रेस ने पाकिस्तान को क्लीन चिट दे दी है। वे इस बात का सबूत मांगने की हिम्मत करते हैं कि पहलगाम के हमलावर पाकिस्तान से थे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को अलगाववादी संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस को आतंकवादी संगठनों का मुखौटा करार दिया और कहा कि मोदी सरकार उसके साथ कभी बातचीत नहीं करेगी। शाह ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि एक समय था जब हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के नेताओं के साथ वीआईपी जैसा व्यवहार होता था और उनके लिए रेड कार्पेट बिछाया जाता था। गृह मंत्री ने कहा कि हुर्रियत नेताओं के साथ सरकार बातचीत करती थी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में इंदिरा गांधी का 50 प्रतिशत भी साहस है तो उन्हें सदन में बोलना चाहिए कि भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का दावा करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने असत्य बात कही है।

मंत्री रविन्द्र इंद्राज ने दीप विहार व रोहिणी के अन्य क्षेत्रों में जल निकासी की व्यवस्था का किया निरीक्षण

मंत्री ने नगर निगम के अधिकारियों को दिए निर्देश, जन शिकायतों पर हो त्वरित कार्यवाही

संजना भारती संवाददाता
नई दिल्ली। समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने मंगलवार को रोहिणी स्थित दीप विहार व रोहिणी के अन्य क्षेत्रों में जलनिकासी की व्यवस्था को लेकर नगर निगम व अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। श्री रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि बारिश के बाद निश्चित समय से अधिक जल भराव रहे तो त्वरित कार्यवाही करें।

निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री ने दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों के साथ जल निकासी की स्थिति का मूल्यांकन किया और आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जलजमाव की समस्या पर त्वरित कार्यवाही की जाए ताकि स्थानीय निवासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। नाली-नालों में कोई रुकावट न रहे, लगातार स्वच्छता कार्य चलाएं।

समाज कल्याण मंत्री ने यह भी कहा कि यदि किसी निर्माण कार्य के चलते जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो रही है, तो उस पर भी तत्काल ध्यान दिया जाए और निर्माणकर्ताओं को आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि जल निकासी व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए।

श्री इंद्राज सिंह ने कहा कि नालों की सफाई होने से हालात पिछले साल की तुलना में बेहतर हुए हैं, बारिश का पानी धीरे-धीरे निकल जाता है, फिर भी कहीं तेज बारिश के बाद जल जमाव होता है तो सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें और प्रभावित क्षेत्रों में जल्द से जल्द राहत पहुंचाएं।

राजौंद की सड़कों पर बने हुए गहरे गड्ढों को विभाग ने पत्थर-मिट्टी से भरा

दैनिक संजना भारती समाचार पत्र की खबर का असर, विभाग ने ली जनता की सुध

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
राजौंद। राजौंद में सिवरेज पाइपलाइन दबाने का कार्य प्रगति पर है। डिवाइडर के दूसरी तरफ की सड़क पर वाहनों की आवा-जाही बढ़ गई है। सड़कों पर बने हुए गहरे गड्ढों ने वाहन चालकों, यात्रियों को काफी परेशानी दी है।

दैनिक समाचार पत्र संजना भारती ने इस खबर को प्रमुखता से उठाया था। हल्की बारिश में यहां की सड़कों के गड्ढे तालाब का रूप धारण कर लेते हैं। खड्डों के कारण ऑटो रिक्शा, लोडिंग ट्रकं पलट चुका है। दो पहिया वाहन चालक अक्षर दुर्घटनाग्रस्त होते रहे हैं।

वर्तमान में सड़कों के गड्ढें भरने के बाद की फोटो (छायाः एसबी)

टायर धंसने से लक्कड़ से भरा ट्रक पलटा, बाइक नीचे दबी
सिवरेज ठेकेदार द्वारा सांकेतिक चिन्ह न लगाने से हुआ हादसा, पीड़ितों ने लगाए आरोप

हल्की बारिश से राजौंद की सड़क बनी तालाब
दुकानदारों का धंधा चौपट-राहगीर, विद्यार्थी परेशान

राजौंद-जीदं रोड पर गहरे खड्डों के कारण बाईक-कार दुर्घटनाग्रस्त
सड़क के खड्डों को एक-दो दिन में भरवा दिया जाएगा-संदीप चहल

अखबार में पिछले दिनों छपा फोटो समाचार।

दैनिक संजना भारती समाचार पत्र के जिला ब्यूरो प्रमुख निर्मल कुमार का समाचार मुख्यमंत्री कार्यालय में पहुंचा तो हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा पीडब्ल्यूडी विभाग को दिए गए सख्त दिशा निर्देशों के तहत विभाग हरकत में आया व राजौंद की सड़कों पर बने हुए गहरे गड्ढ़ों को पीडब्ल्यूडी विभाग कैथल ने भर दिया है। गौरतलब है कि राजौंद के कैथल मार्ग पर ट्रैक्टर एजेंसी के पास व बजाज बाइक एजेन्सी के पास पिछले कई महीनो से बहुत गहरे व बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए थे। जो नागरिकों, वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन चुके थे। इसी प्रकार से सरकारी स्कूल व जनता बुक डिपो के पास बने हुए गहरे गड्ढे वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबक बने हुए थे।

मीडिया में आई खबर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कार्यालय ने पीडब्ल्यूडी विभाग कैथल को निर्देश जारी कर राजौंद के मुख्य मार्ग असन्ध -कैथल मार्ग के खड्डों को भरवा दिया है। पीडब्ल्यूडी विभाग के जेई विजय कुमार व एसडीओ सुरेन्द्र कुमार कहां की राजौंद की सड़कों पर अब गड्ढे की वजह से वाहन चालकों, नागरिकों को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सीवरेज का कार्य पूरा होने पर पक्की सड़क बनाई जाएगी। उससे पहले भी विभाग सड़कों की लगातार मॉनिटरिंग करेगा। खड्डों को तत्काल भरा जाएगा।

विभाग द्वारा सड़क पर बने हुए प्राण घातक गड्ढ़ों को भरवाने पर नागरिकों, वाहन चालकों सेप्पी, सतीश, रामनिवास, शमशेर सिंह सहित अन्य ने सहयोग के लिए मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी का धन्यवाद किया है। नागरिकों ने यह समस्या प्रमुखता से उठाने पर दैनिक संजना भारतीय समाचार पत्र का धन्यवाद किया है।

आबादी अनुसार पूरे हरियाणा में फायर स्टेशनों की जरूरत का किया जाए मूल्यांकन-नायब सिंह सैनी

संजना भारती संवाददाता
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण हरियाणा में अग्निशमन केंद्रों की आवश्यकता का आंकलन किया जाए ताकि आवश्यकतानुसार नए फायर स्टेशनों की स्थापना सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी यहां सीएम घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि मोरनी जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में स्थानीय निवासियों को सड़क, बिजली और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। भले ही किसी क्षेत्र में एक ही घर हो, संबंधित विभाग वहां मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें ताकि किसी भी निवासी को असुविधा का सामना न करना पड़े।

बैठक में श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश को बेसहारा गोवंश मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन एवं डेयरी विभाग को शहरी स्थानीय निकाय विभाग और गौ सेवा आयोग के साथ समन्वय करते हुए मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए ताकि दो माह के भीतर सभी बेसहारा गोवंश को सड़कों और सार्वजनिक स्थलों से हटाकर गौशालाओं में संरक्षित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग की घोषणाओं की समीक्षा करते हुए बताया कि पंचकूला, पानीपत और हिसार जिलों में नंदीशालाएँ स्थापित की जा चुकी है। शेष जिलों में भी इस दिशा में कार्य में तेजी लाई जाए। इसके लिए विभाग द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी (उरफ) के तहत नंदीशालाओं की स्थापना के लिए संभावनाएं तलाशी जाएँ। साथ ही, पहले से स्थापित सभी नंदीशालाओं में एक-एक वेटरनरी क्लिनिक की स्थापना सुनिश्चित की जाए, जहां विजिटिंग पशु चिकित्सक की उपलब्धता भी सुनिश्चित हो।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की घोषणाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विकास कार्यों को तीव्र गति से और गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए ताकि आमजन को इन कार्यों का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि कलेसर क्षेत्र से यमुना नदी के जल को चैनल के माध्यम से पंचकूला सहित अन्य स्थानों तक लाने के लिए सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ किया जाए, जिससे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नदी जोड़ो अभियान को मूर्त रूप प्रदान करते हुए जल का उपयोग कृषि सहित अन्य कार्यों में किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की घोषणाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सब्सिडी से जुड़ी सभी योजनाओं का डाटाबेस नियमित रूप से अद्यतन रखा जाए, ताकि योजनाओं का लाभ पारदर्शी रूप से किसानों को सुनिश्चित हो सके।

दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन का उन्नयन

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा
नई दिल्ली। उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल अपने रेल बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए निरंतर प्रयासरत है और उसने दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर एक महत्वपूर्ण आधुनिकीकरण परियोजना पूरी की है। दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है जहाँ से प्रतिदिन लगभग 104 ट्रेनें चलती/गुजरती हैं (महत्वपूर्ण ट्रेनें जयपुर के लिए डबल डेकर, जम्मू तवी के लिए दुरंतो एक्सप्रेस, यशवंतपुर के लिए दुरंतो एक्सप्रेस, उदयपुर के लिए चेतक एक्सप्रेस, अजमेर जनशताब्दी आदि) हैं। दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन लगभग 30,200 यात्री आते-जाते हैं। दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन अब रेल संचालन के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित है। उन्नयन कार्य 21.7.2025 से 28.7.2025 तक चला। इस प्रमुख उन्नयन परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 25 करोड़ रुपये है।

यार्ड रीमॉडलिंग कार्य (नॉन इंटरलॉकिंग कार्य) एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। दिल्ली सराय रोहिल्ला यार्ड रीमॉडलिंग परियोजना का मुख्य उद्देश्य सुचारू संचालन, परिचालन क्षमता में वृद्धि, सुरक्षा, बेहतर कनेक्टिविटी और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करना था। एक अतिरिक्त लूप लाइन और दो अतिरिक्त स्टेबलिंग लाइनें प्रदान की गई हैं, जिससे स्टेशन की क्षमता में वृद्धि होगी और अधिक ट्रेनों के संचालन की क्षमता में वृद्धि होगी। ट्रेनों की शंटिंग अधिक सुविधाजनक होगी। परिचालन दक्षता बढ़ाने के अलावा बेहतर सुरक्षा और कनेक्टिविटी के लिए पुरानी इंटरलॉकिंग प्रणाली को वितरित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से बदल दिया गया है।

ट्रैक लेआउट का आधुनिकीकरण किया गया है, अर्थात चार टर्नआउट और नौ ट्रैप लगाए गए हैं। इस उन्नयन कार्य में लगभग 300 रेलवे अधिकारी/कर्मचारी और संविदा कर्मचारी शामिल थे। छह जे.सी.बी. और 4 हाइड्रा को सेवा में लगाया गया। रेलवे टीम ने रीमॉडलिंग कार्य को सफल बनाने के लिए दिन-रात काम किया और नियोजित ब्लॉक अवधि के अनुसार कार्य पूरा किया।

सम्पादकीय

अफवाह ने ले लीं कई जानें

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीढ़ीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, उसका दर्द समूचा देश महसूस कर रहा है। प्रश्न है कि पुलिस का बंदोबस्त कहां था? श्रद्धालुओं की मौत एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। मनसा के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरूआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती बनता रहा है। वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी भीड़ प्रबंधन की पोल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं। क्या इस तरह की अफवाह को रोका नहीं जा सकता था? हमारा प्रशासन कोई अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है अथवा यह कि संबंधित अधिकारी यह जानते हैं कि कैसी भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। आखिर हम दुनिया के अन्य देशों से कोई सबक सीखने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की कोई ठोस और वैज्ञानिक व्यवस्था है? मनसा देवी मंदिर की सीढ़ियां, संकरे रास्ते और अव्यवस्थित दुकानों के बीच का क्षेत्र लंबे समय से भीड़भाड़ के लिए जाना जाता है। फिर भी वहां कोई स्थायी सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए? अफवाह पर नियंत्रण के लिए कोई त्वरित सूचना तंत्र नहीं था, न ही भीड़ को दिशा देने के लिए पर्याप्त पुलिस बल या मार्गदर्शन की व्यवस्था थी। इस तरह की घटनाएं केवल अफवाह का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि यह व्यवस्था की कमजोरियों एवं कोताही का परिणाम होती हैं। तीर्थस्थलों पर नियंत्रित प्रवेश, डिजिटल टिकटिंग, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन निकासी मार्ग, और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से रह रहकर होती रहती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं। मृतकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लोग शामिल थे। उनमें छह वर्षीय बच्चा आरुष, किशोर और बुजुर्ग तक शामिल थे। उनके परिवारों पर अचानक दुख का पहाड़ टूट पड़ा।

जयंती

गोविन्द चन्द्र पाण्डे

जन्म-30 जुलाई, 1923, इलाहाबाद; मृत्यु-22 मई, 2011, दिल्ली) 20वीं सदी के जाने माने चिंतक, इतिहासवेत्ता, संस्कृतज्ञ तथा सौंदर्यशास्त्री थे। वे संस्कृत, हिब्रू तथा लेटिन आदि अनेक भाषाओं के असाधारण विद्वान, कई पुस्तकों के प्रसिद्ध लेखक तथा हिन्दी कवि भी थे। प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति, बौद्ध दर्शन, साहित्य, इतिहास लेखन तथा दर्शन आदि में गोविन्द चन्द्र पाण्डे को विशेषज्ञता प्राप्त थी। अनेक चर्चित किताबों तथा सैंकड़ों शोध पत्रों के वे लेखक थे। वर्ष 2010 में उन्हें 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था।

पुण्यतिथि

सुबीर गोकर्ण

जन्म-3 अक्टूबर, 1959; मृत्यु-30 जुलाई, 2019) भारत के एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थे। वे 24 नवम्बर, 2009 से 31 दिसम्बर, 2012 तक भारतीय रिजर्व बैंक के उप-गवर्नर रहे थे। सुबीर गोकर्ण उस समय यह पद हासिल करने वाले सबसे युवा अर्थशास्त्री थे।

कल मिलेंगे

एक आदमी डॉक्टर के पास गया और बोला, "डॉक्टर साहब, मुझे हर बात में 'हाँ' कहने की आदत हो गयी है।" डॉक्टर ने कहा, "क्या?" आदमी बोला, "हाँ।"

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं।

वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए।

भाजपा के 53338 बीएलए प्रकिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरूआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है।

बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। हालांकि देश की राजनीति के लिए यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी हो। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों और अतिवादी संगठनों ने चुनाव के बहिष्कार की धमकी दी। आपातकाल के बाद भी प्रमुख विपक्षी दलों ने चुनाव के बहिष्कार करने की बात की थी। हालांकि इसके बावजूद वहां चुनाव हुए और उन सभी लोगों ने चुनाव में हिस्सा भी लिया और जीत हासिल की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर 'वोटों की चोरी' का आरोप लगा रहे हैं। वोटिंग में गड़बड़ी का इल्जाम तो राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगाने लगे थे, लेकिन अब ज्यादा जोरदार तरीके से उसे उठा रहे हैं। राहुल गांधी महाराष्ट्र और कर्नाटक में वोटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन बाकी चुनावों के मामले चुप्पी साध लेते हैं।

राहुल गांधी पिछले कई दिनों से चुनाव आयोग पर तल्ख, अमर्यादित और अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। असल में राहुल गांधी चुनाव आयोग और चुनाव मशीनरी को दबाव में लेना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुले मंच से यह घोषणा कर चुकी हैं कि वे बंगाल में एसआईआर नहीं होने देंगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, संविधान की रक्षा और संविधान की कॉपियां लेकर देशभर में घूमते थे। और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और संविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने भाजपा के सत्ता में आने के बाद 'संविधान बदलने का खतरा' होने का मुद्दा उठाया था। इससे कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली थी। उसी तरह विपक्ष लोगों के बीच वोट खोने का डर और चुनाव में गड़बड़ी का मुद्दा उठाकर बढ़त हासिल करना चाहता है। इससे वह सत्ता पक्ष पर दबाव बनाने के साथ-साथ जनता के बीच अपनी पकड़ भी मजबूत करना चाहता है। यदि जनता के एक प्रतिशत लोगों के मन में भी अपना 'वोट खोने का डर' पैदा हो जाता है तो इससे पूरा चुनावी गणित बदल सकता है। कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल पूरी तैयारी के साथ इसी 'रणनीति' पर काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

चुनाव आयोग ने केवल दूसरी जगह चले गए मतदाताओं, मृतकों और एक ही व्यक्ति के दो स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने वाले मतदाताओं का नाम ही मतदाता सूची से हटाने की बात कही है, ऐसे में एसआईआर का विरोध पूरी तरह से अतार्किक है। चुनाव आयोग नियम कानून के तहत वोटर लिस्ट अपडेट कर रहा है। यह उसकी डयूटी का हिस्सा है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। विपक्ष चुनावों में अपनी हार को देखकर अभी से बहाने की तलाश कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग पर बयानबाजी उसी का नतीजा है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ट्रम्प प्रशासन भारतीय दर्शन को अपनाकर वैश्विक समस्याओं का हल निकाल सकते हैं

भारतीय आर्थिक चिंतन पश्चिम के आर्थिक चिंतन के ठीक विपरीत है। हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार, अर्थ एवं भोग को धर्म के अनुसार ही कार्यशील रखना चाहिए। इस संदर्भ में संयम को प्राथमिकता दी गई है। कोई भी कार्य, सीमा के अंदर किया जाय तो उचित होता है। सीमा के बाहर जाकर किया गया कार्य, समाज में अस्थिरता प्रतिपादित कर सकता है। अत्यधिक भोग, भारतीय संस्कृति में निषेध है

-प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर आज की आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत का प्राचीन आर्थिक दर्शन संभवतः आशा की किरण के रूप में दिखाई पड़ता है। अमेरिका जैसा शक्तिशाली देश, अपने अहंकार के मद में, जब अपने पड़ौसी देशों एवं हितचिंतक देशों के साथ ही अन्य अविकसित एवं विकासशील देशों को भी नहीं बक्श रहा है एवं इन देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ का डंडा चला रहा है, तब भारतीय आर्थिक दर्शन की वसुधैव कुटुंबकम, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय एवं सर्वे भवंतु सुखिन सर्वे संतु निरामयाः जैसी नीतियों की याद सहज रूप से ही आ जाती है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, अर्थ का अर्जन करना बुरी बात नहीं है परंतु इसका धर्म के अनुसार उपयोग नहीं करना बुरी बात है। ट्रम्प प्रशासन की वर्तमान नीतियों से स्पष्ट झलकता है कि अथाह मात्रा में इकट्ठे किए गए धन का उपयोग विश्व के अन्य देशों को डराने धमकाने के लिए किया जा रहा है। अमेरिका आज कई देशों पर दबाव बनाता हुआ दिख रहा है कि यदि किसी देश ने उसकी शर्तों के अनुरूप अमेरिका के साथ द्विपक्षीय आर्थिक समझौता नहीं किया तो उस देश से होने वाले वस्तुओं के अमेरिका में आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाया जाएगा।

यह सत्य है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान विश्व के कई देश विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़े हैं और आज यह सम्पन्न देशों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। इन देशों के नागरिकों को भौतिक सुख की प्राप्ति तो हुई है परंतु उनके जीवन में मानसिक सुख का पूर्णतः अभाव है। अतः इनके जीवन में संतोष का अभाव है और यह लोग कुंठा की भावना में बहते हुए कुछ इस प्रकार के निर्णय ले रहे हैं जिससे समाज के अन्य लोगों का अहित हो रहा है। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी नीतियों के चलते कुछ लोग केवल अपने आर्थिक विकास की ओर पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, समाज के अन्य नागरिकों की स्थिति कैसी है, इस बात पर उनका ध्यान बिलकुल नहीं है। अपने को अधिक धनवान बनाने की प्रक्रिया में वे अपने ही समाज के नागरिकों का अहित करने से भी नहीं चूकते हैं। आज अमेरिका की स्थिति भी लगभग यही है। आज वह पूरे विश्व की चौधराहट प्राप्त करने के प्रयास में कुछ इस प्रकार की नीतियों का अनुपालन करता हुआ दिखाई दे रहा है जो अन्य देशों का नुक्सान कर सकती हैं। परंतु, अन्य देशों को होने वाले नुक्सान के प्रति अमेरिका आज पूर्णतः अनजान सा बना हुआ है। पूरे विश्व की आर्थिक स्थिति डावांडोल होती हुई दिखाई दे रही है। यह सब तब हो रहा है जब विश्व की बहुत बड़ी संख्या में नागरिक भूख, गरीबी एवं बेकारी से त्रस्त है। समाज का एक वर्ग अमीर से और अधिक अमीर हो रहा है तो समाज का दूसरा वर्ग गरीब से और अधिक गरीब हो रहा है। आय की असमानता की खाई निरंतर चौड़ी होती जा रही है। कुल मिलाकर अमेरिका सहित विश्व के कई विकसित देशों के नागरिक आज अपनी आर्थिक तरक्की से संतुष्ट नहीं है एवं भौतिक सुख होने के बावजूद मानसिक बीमारियों से ग्रस्त नजर आ रहे हैं।

हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार मनुष्य का इस धरा पर जन्म, परेशनियां झेलने के लिए नहीं हुआ है। बल्कि, इस मानव जीवन को समस्याओं रहित बनाकर, शांतिपूर्ण तरीके से जीने के लिए हुआ है। आज विभिन्न देशों के नागरिक खाने पीने की वस्तुओं, अच्छे वस्त्रों, बड़े एवं सुविधाजनक निवास स्थान, मनोविनोद के साधनों में वृद्धि, वासना की वृद्धि एवं वासना की संतुष्टि के लिए विभिन्न साधनों में वृद्धि, सुख के लिए उपभोग में वृद्धि जैसे कार्यों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए है। जैसे इस धरा पर जीवन जीने का लक्ष्य यही है। इच्छाओं की पूर्ति सम्भव नहीं है। एक इच्छा की पूर्ति होती है तो दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है। यह पूंजीवाद में निहित पश्चिमी विचार है। इस धारणा को और अधिक स्पष्ट करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक पूजनीय श्री गुरुजी (श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर) कहते हैं कि पश्चिम के सुख की अवधारणा पूर्णतया प्रकृति जन्य इच्छाओं की संतुष्टि पर केंद्रित है, अतः उनके जीवन स्तर को उठाने का अर्थ भी केवल भौतिक आनंद की वस्तुओं को अधिकाधिक जुटाना है। इससे व्यक्ति अन्य विचारों एवं एषणाओं को छोड़कर केवल इसी में पूर्णतया संलग्न हो जाता है। भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति की इच्छा धन संग्रह को जन्म देती है। अधिकाधिक धन प्राप्ति हेतु शक्ति आवश्यक हो जाती है; किंतु भौतिक सुख की अतृप्त क्षुधा व्यक्ति को अपनी राष्ट्रीय सीमाओं तक ही नहीं रुकने देती। सबल राष्ट्र, राज्य शक्ति के आधार पर दूसरों के दमन व शोषण का भी प्रयास करते हैं। इसमें से संघर्ष व विनाश का जन्म होता है। एक बार यह प्रक्रिया प्रारम्भ हुई कि समाप्त होने का नाम ही नहीं लेती। सभी नैतिक बंधन विच्छिन हो जाते हैं। सामान्य मानवीय संवेदनायें सूख जाती हैं। मनुष्य और पशु में अंतर स्थापित करने वाले मूल्य एवं गुण समाप्त हो जाते हैं। हालांकि उक्त विचार आज से लगभग 65/70 वर्ष पूर्व व्यक्त किए गए थे परंतु यह आज अमेरिका की स्थिति पर सटीक बैठते हैं। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे के साथ सत्ता में आने वाले श्री डानल्ड ट्रम्प आज पूरे विश्व में अराजकता की सत्ता स्थापित करने में लगे हुए हैं। केवल और केवल अमेरिका के आर्थिक हितों को प्राथमिकता देना है, इससे अन्य राष्ट्रों (अविकसित एवं विकासशील देशों सहित) का कितना भी नुक्सान हों परंतु अमेरिकी उद्योगपतियों एवं व्यवसायीयों के हित सुरक्षित रहने चाहिए, उनकी आर्थिक तरक्की होते रहना चाहिए।

भारतीय आर्थिक चिंतन पश्चिम के आर्थिक चिंतन के ठीक विपरीत है। हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार, अर्थ एवं भोग को धर्म के अनुसार ही कार्यशील रखना चाहिए। इस संदर्भ में संयम को प्राथमिकता दी गई है। कोई भी कार्य, सीमा के अंदर किया जाय तो उचित होता है। सीमा के बाहर जाकर किया गया कार्य, समाज में अस्थिरता प्रतिपादित कर सकता है। अत्यधिक भोग, भारतीय संस्कृति में निषेध है। अर्थ के अधिक मात्रा में अर्जन पर हालांकि किसी प्रकार का निषेध नहीं है परंतु अर्थ के उपभोग पर जरूर कुछ सीमाएं निर्धारित हैं। अर्थ का उपयोग स्वयं की सुख प्राप्ति के लिए उपभोग करने के उपरांत परिवार, समाज, धर्म की रक्षा, संस्कृति के विस्तार, भविष्य की सुरक्षा के लिए बचत, आदि के लिए करना आवश्यक माना गया है। पश्चिमी सभ्यता के अनुसार तो अर्थ का उपभोग केवल एवं केवल स्वयं के लिए किया जाता है एवं येन केन प्रकारेण व्यक्ति द्वारा इसकी वृद्धि हेतु प्रयास किए जाते हैं। सुख को तो अपने अंदर महसूस किया जा सकता है। बाहरी भौतिक आवरण पहनकर सुख की प्राप्ति सम्भव नहीं है। इसी संदर्भ में श्री गुरुजी कहते हैं कि सब बातों का विचार हमारे पूर्वजों ने भी किया था। समय पर वर्षा होना चाहिए, पृथ्वी पर धन धान्य की समृद्धि रहना चाहिए, समाज को ऐच्छिक सुख समृद्धि की प्राप्ति होना चाहिए, कोई भी दुखी न रहे - ऐसी प्रार्थना उन्होंने की है, परंतु उस समय भी उनको अनुभव हुआ कि मनुष्य केवल वासनाओं का पुतला नहीं है। वासनाओं की तुष्टि कुछ समय के लिए आनंद देती हैं, किंतु हमेशा के लिए वह आनंद नहीं दे सकती। मनुष्य तो ऐसा सुख चाहता है, जो कभी क्षीण न हो, उसमें कभी बाधा न आ सके, व्यत्यय न आ सके, यानी वह अबाधित, नित्य सुरक्षित और चिरकालिक सुख की कामना करता है।

उक्त विचार को आगे बढ़ाते हुए श्री गुरुजी कहते हैं कि अपनी भारतीय प्रणाली में जिसे अर्थशास्त्र कहते हैं, उसमें आज जैसा केवल आर्थिक पहलू मात्र नहीं था। हमारे यहां अर्थशास्त्र का ही दूसरा नाम नीतिशास्त्र था। आज हमें अपने सिद्धांतों के आधार पर मौलिक चिंतन करना चाहिए। हम दुनिया भर के विचार प्रवाहों को परखेंगे तथा अपनी स्वतंत्र मौलिक राष्ट्रीय चिंतनधारा के अनुरूप अपना रास्ता अपनाएंगे। उदाहरण के लिए महात्मा गांधी जी ने अपने जीवन काल में संपत्ति के विकेंद्रीकरण के लिए ट्रस्टीशिप का मार्ग प्रतिपादित किया। उनके इस ट्रस्टीशिप के विचार में माना गया है कि मनुष्य के उत्पादन सामर्थ्य में कोई कमी करने की जरूरत नहीं जीविका के साधनों द्वारा जितना चाहे, उसे उत्पादन करने दो, परंतु संग्रह का वह अधिकारी नहीं है। जीविका के साधनों का प्रयोग करने पर जो संपत्ति एकत्रित होती है, वह समाज की है, अपने उपभोग बढ़ाने के लिए नहीं। वह सम्पत्ति उसने समाज को दे देनी चाहिए। इस धरा पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए सुख वासनाओं-इच्छाओं को बढ़ाते जाने में नहीं है, सुख तो वासनाओं-इच्छाओं को कम करते जाने की मानसिकता में से मिलता है। इस दृष्टि से श्री गुरुजी इच्छाओं व आवश्यकताओं को बढ़ाते जाने वाले आर्थिक चिंतन को स्वीकार नहीं करते थे, अपितु आवश्यकता विहीन की दिशा में चलने वाले अर्थशास्त्र के समर्थक थे।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

आसमान में गड़बड़ हुआ यूनाइटेड एयरलाइंस का इंजन, वाशिंगटन लौटी फ्लाइट की आपात लैंडिंग

(एजेन्सी)।

25 जुलाई को यूनाइटेड एयरलाइंस के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान के इंजन में गंभीर खराबी आने के बाद, हवा में एक गंभीर दुर्घटना घटी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यूनाइटेड की उड़ान UA108 वाशिंगटन डलेस हवाई अड्डे से म्यूनिख जा रही थी, तभी विमान के बाएँ इंजन में टेकऑफ के दौरान खराबी आ गई। इस आपात स्थिति में चालक दल ने तुरंत "मैडेय" संकट कॉल जारी किया। विमान 5,000 फीट की ऊँचाई पर था जब उसके इंजन में खराबी आई। फ़्लाइटअवेयर के आंकड़ों के अनुसार, विमान 2 घंटे 38 मिनट तक हवा में रहा और वाशिंगटन के उत्तर-पश्चिम में सुरक्षित ईंधन भरने के लिए एक होल्डिंग पैटर्न में उड़ान भरी। इसके बाद विमान वाशिंगटन डलेस हवाई अड्डे पर वापस उतरा। पायलटों ने विमान के वजन को नियंत्रित करने और सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स (एटीसी) से ईंधन छोड़ने का अनुरोध किया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पायलटों ने सुरक्षित रूप से ईंधन छोड़ा और इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) का उपयोग करके विमान को सुरक्षित रूप से निर्देशित किया गया। लैंडिंग के बाद भी विमान जमीन पर ही रहा और बाद में उसे रनवे से हटा दिया गया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। इससे पहले, तिरुपति से हैदराबाद जा रहा इंडिगो का एक विमान तकनीकी खराबी के कारण 40 मिनट से ज्यादा समय तक आसमान में मँडराता रहा। इसके बाद विमान को तिरुपति हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी।

इंडिगो के एयरबस A321neo ने रविवार शाम 7:42 बजे तिरुपति से उड़ान भरी थी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradar24 के अनुसार, विमान लगभग 40 मिनट तक आसमान में चक्कर लगाने के बाद वेंकटनगरी की सीमा पर पहुँचा और फिर यू-टर्न ले लिया। आखिरकार विमान ने रात 8:34 बजे तिरुपति हवाई अड्डे पर सुरक्षित आपातकालीन लैंडिंग की।

स्मृति मंधाना को बड़ा झटका, एक स्थान का हुआ नुकसान

(एजेन्सी)।

आईसीसी ने ताजा महिला रैंकिंग जारी कर दी है। इस मैच अपडेट में इंग्लैंड और भारत के बीच खेली गई वनडे सीरीज को भी शामिल किया गया है। वहीं भारत की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना को बड़ा झटका लगा है। मंधाना कुछ समय से महिला वनडे रैंकिंग में नंबर 1 बल्लेबाज बनी हुई थीं लेकिन अब उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह दूसरी पोजीशन पर आ गई हैं। उनकी रेटिंग 728 है। मंधाना की जगह अब टॉप पर इंग्लैंड की कप्तान नैट सीवर-ब्रंट काबिज हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने 2-1 से वनडे सीरीज अपने नाम की लेकिन इसमें मंधाना का प्रदर्शन ज्यादा अच्छा नहीं रहा। उन्हें तीनों ही मैच में अच्छी शुरूआत मिली लेकिन वह उसे कायम नहीं रख पाई और तीन पारियों में 115 रन ही बनाए। वहीं दूसरी तरफ नैट सीवर-ब्रंट ने पहले दो मैचों में 62 रन बनाए लेकिन तीसरे मैच में 98 रनों की धमाकेदार पारी खेली। इस तरह उन्होंने सीरीज में 160 रन बनाए। ये पहली बार है जब सीवर-ब्रंट ने 2025 में टॉप रैंकिंग हासिल की है। इससे पहले 32 वर्षीय पहली बार जुलाई 2023 में नंबर 1 बनी थीं।

इसके साथ ही भारतीय कप्तान हमनप्रीत कौर को भी फायदा हुआ है। हमनप्रीत का बल्ला इंग्लैंड दौरे पर ज्यादातर खामोश रहा लेकिन उन्होंने तीसरे वनडे मं तबाही मचाने का काम किया। हरमनप्रीत कौर ने 84 गेंदों में 102 रनों की बेहतरीन पारी खेली और इसी की बदौलत उन्हें 10 स्थान के फायदे से 11वें नंबर पर पहुंच गई हैं। जेमिमा रोड्रिग्स को भी अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है और वह दो स्थान के फायदे से 13वें स्थान पर हैं।

आयरलैंड की ऑलराउंडर ओर्ला प्रेंडरगैस्ट को तीनों कैटेगरी में फायदा हुआ है। बेलफास्ट में सीरीज के दूसरे मैच में नाबाद 67 रन बनाने के बाद प्रेंडरगैस्ट 12 स्थान की छलाग से वनडे बल्लेबाजोंकी रैंकिंग में 2वें स्थान पर पहुंच गई हैं,जबकि जिम्बाब्वे के खिलाफ उसी मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद वह वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 10 स्थान ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

एफडीसीआई कॉउचर वीक में जान्हवी का अंदाज

(एजेन्सी)। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने सोमवार को एफडीसीआई इंडिया कॉउचर वीक 2025 के छठे दिन जयंती रेड्डी लेबल के शाही परिधान में रैंप वॉक करते हुए अपनी आकर्षक उपस्थिति दर्ज कराई। जान्हवी कपूर ने डिजाइनर जयंती रेड्डी के लिए शोस्टॉपर बनकर रैंप पर सहज ग्लैमर और शान का तड़का लगाया। अभिनेत्री ने अपने पारंपरिक शिल्प कौशल और आधुनिकता के अद्भुत संगम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वॉक के बाद जान्हवी ने इंस्टाग्राम पर इवेंट की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिनके कैप्शन में उन्होंने लिखा, "@jayantireddylabel के लिए वॉक करना बहुत अच्छा लगा।" ये तस्वीरें तुरंत वायरल हो गईं और प्रशंसकों और फैशन प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। बॉलीवुड ब्यूटी जान्हवी कपूर, जिन्होंने हाल ही में जूनियर एनटीआर के साथ टॉलीवुड में अपनी पहली फिल्म 'देवरा' से सबको चौंका दिया था, ने डिजाइनर जयंती रेड्डी के लिए रैंप वॉक करके सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। उनके आत्मविश्वास और उपस्थिति ने रनवे को जगमगा दिया और भीड़ उनसे अपनी नजरें नहीं हटा पा रही थी। यह एक ऐसा पल था जिसने साबित कर दिया कि वह शीर्ष फैशन इवेंट्स में नियमित क्यों हो रही हैं। उन्होंने मोतियों, सेक्विन और बारीक धागों से सजी एक गुलाबी रंग की पोशाक पहनी थी। ब्लाउज मोतियों से सजे शोल्डर ड्रेप्स के साथ बेहद खूबसूरत लग रहा था, जबकि मरमेड स्टाइल का लहंगा जटिल डिजाइनों से सजी एक लंबी ट्रेन में लहरा रहा था।

1 अगस्त से बदल जाएंगे यूपीआई के नियम

(एजेन्सी)।

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस में 1 अगस्त से कई बदलाव होने वाले हैं। ये नए बदलाव उपयोगकर्ताओं, व्यापारियों और बैंकों पर असर डालेंगे। यूपीआई का नियामक प्राधिकरण, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम, देश में प्रमुख रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले इस डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म में कई नियामक बदलावों की घोषणा करने वाला है। नए बदलावों से यूपीआई को और अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने, इसकी विश्वसनीयता, सहजता और विशेष रूप से व्यस्त समय के दौरान व्यवधानों से मुक्त होने की संभावना है।

यह बदलाव यूपीआई में आई बड़ी रुकावटों 12 अप्रैल और 26 मार्च के बाद आए हैं, जो महज 2-3 महीनों के अंतराल में हुई थीं। गौरतलब है कि इन रुकावटों का असर करोड़ों उपयोगकर्ताओं पर पड़ा क्योंकि इनसे करोड़ों रुपये के लेन-देन बाधित हुए। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के हालिया नोट, "ग्रोइंग रिटेल डिजिटल पेमेंट्सः द वैल्यू ऑफ इंटरऑपरेबिलिटी" के अनुसार, भारत का यूपीआई रीयल-टाइम भुगतान तकनीक क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में उभरा है। यूपीआई ने वीजा को पीछे छोड़ दिया है, जो दुनिया की अन्य भुगतान प्रणालियों के बीच अपने प्रभुत्व का प्रतीक है। आईएमएफ ने आगे कहा कि यूपीआई भारत के लगभग 85 प्रतिशत डिजिटल भुगतानों को संचालित करता है, जबकि वैश्विक भुगतानों में इसका योगदान लगभग 60 प्रतिशत है।

यूपीआई उपयोगकर्ता अब अपने खाते की शेष राशि प्रतिदिन अधिकतम 50 बार ही देख पाएँगे, जबकि पहले यह सीमा असीमित थी। NPCI ने यूपीआई ऑटोपे लेनदेन के लिए निश्चित समय-सीमा भी तय की है। सब्सक्रिप्शन, एटक और उपयोगिता बिलों सहित भुगतान अब दिन भर में अनियमित समय पर संसाधित नहीं होंगे। ये केवल निर्धारित समय-सीमा के दौरान ही किए जाएँगे। ये बदलाव ग्राहकों को सीधे तौर पर प्रभावित नहीं करेंगे क्योंकि उनके ऑटो-भुगतान सामान्य रूप से संसाधित होते रहेंगे।

काफा नेशंस कप में हिस्सा लेगी भारतीय फुटबॉल टीम

(एजेन्सी)। ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में 28 अगस्त से आठ सितंबर के बीच काफा नेशंस कप का आयोजन होगा। वहीं इस टूर्नामेंट में भारतीय फुटबॉल टीम भी हिस्सा लेगी। बता दें कि, मलेशिया के विकल्प के तौर पर मध्य एशियाई फुटबॉल संघ ने भारत को खेलने का न्योता दिया है। आठ टीमो के टूनार्मेंट में मलेशिया ने खिलाड़ियो की उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स का हवाला देकर 15 जुलाई को नाम वापिस ले लिया था। ये टूर्नामेंट फीफा की अंतर्राष्ट्रीय विंडो में नहीं पड़ता जो एक से 9 सितंबर के बीच है। ओमान को भी इसमें भाग लेने के लिए न्योता मिला है। टूर्नामेंट का पहला सत्र 2023 में हुआ था जिसमें ईरान विजयी रहा था। समझा जाता है कि एआईएफएफ ने न्योता स्वीकार कर लिया है, लेकिन आयोजकों की ओर से अंतिम पुष्टि का इतंजार है। एआईएफएफ के एक अधिकारी ने कहा कि, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन हम इंतजार कर रहे हैं। अगर भारत खेलता है तो नए मुख्य कोच के साथ ये पहला टूनार्मेंट होगा। नए कोच की नियुक्ति एक अगस्त को होनी वाली है। इस टूर्नामेंट में ईरान, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गीस्तान और तुर्कमेनिस्तान भाग ले रहे हैं।

ठनका से बचाव के लिए सतर्कता जरूरी: नवीन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह

जमुई। जमुई के जिलाधिकारी नवीन ने वज्रपात सुरक्षा रथ को झंडी दिखाकर किया रवाना। जमुई के जिलाधिकारी श्री नवीन ने समाहरणालय परिसर से वज्रपात सुरक्षा रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया।

डीएम नवीन ने कहा कि आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जिला के लोगों को ठनका से बचाने के लिए जन जागरूकता मुहिम चलाने का फैसला लिया है। इसी निर्णय के अंतर्गत जिले के चुनिंदा छः प्रखंडों के सभी ग्राम पंचायतों में वज्रपात सुरक्षा रथ घूमेगा और वहां के वासियों को आकाशीय बिजली से बचाव के उपायों को सुझाएगा। उन्होंने आगे कहा कि हर साल आकाशीय बिजली से कई लोग असमय काल के गाल में चले जाते हैं। लोगों के असामयिक निधन से परिवार के साथ राज्य को अपूरणीय क्षति होती है। प्राकृतिक आपदा रूपी विद्युतपात की आशंका जिन क्षेत्रों में ज्यादा महसूस की जाती है, वहां प्राथमिकता के तौर पर इस रथ को घुमाया जाएगा और जागरूकता फैलाई जाएगी।

उन्होंने आत्मीय भाव से यहां के जनों को संदेश देते हुए कहा कि तड़ित की संभावना को देखते हुए इससे बचाव के लिए जब घर के भीतर रहें तब बिजली संचालित उपकरण से खुद को दूर रखें। तार वाले टेलीफोन के उपयोग से बचें। कपड़ा सुखाने के लिए तार की जगह जूट या सूत की रस्सी का प्रयोग करें। घर के बाहर हों तो वृक्ष के नीचे पनाह न लें। ऊंचे इमारत वाले क्षेत्रों में भी जाने से बचें। डीएम ने जागरूकता रथ द्वारा दी जा रही जानकारी को गंभीरता से लिए जाने का आग्रह करते हुए कहा कि खुद सतर्क रहें और दूसरों को भी सजग और सचेत रहने के लिए प्रेरित करें। जिलाधिकारी ने प्राकृतिक आपदा के अंतर्गत नदियों, तालाबों, गड्ढों आदि जल श्रोतों में डूबने की घटना में वृद्धि की चर्चा करते हुए कहा कि खतरनाक घाटों पर जाकर स्नान न करें और बच्चों को भी वहां जाने से रोकें। उन्होंने पुल या पुलिया से कूदकर स्नान करने को भी खतरनाक बताते हुए कहा कि यह भी जानलेवा हो सकता है। श्री नवीन ने इससे भी परहेज किए जाने की अपील की।

उधर वाहन चुनिंदा क्षेत्र के लिए कूच कर गया है। वज्रपात सुरक्षा रथ माइकिंग के जरिए निवासियों को तड़ित और डूबने से बचाव के लिए सतर्कता का संदेश देगा। डीडीसी सुभाष चंद्र मंडल, एडीएम रविकांत सिन्हा, नजारत उप समाहर्ता भानू प्रकाश, ओएसडी सह आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रभारी पदस्थ नागमणि कुमार वर्मा समेत कई ओहदेदार मौके पर मौजूद रहे।

बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय एवं स्मृति स्तूप, वैशाली का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

भगवान बुद्ध के पवित्र स्मृति अवशेष के अधिष्ठापन कार्य में हुए शामिल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ संजय

हाजीपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय एवं स्मृति स्तूप, वैशाली का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री स्मृति स्तूप के प्रथम तल पर मुख्य हॉल में भगवान बुद्ध के पवित्र अस्थि अवशेष के अधिष्ठापन कार्य एवं पूजा समारोह में शामिल हुए। मंत्रोच्चारण के बीच प्रमुख बौद्ध भिक्षुओं ने भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष का नवकक्ष में विधिपूर्वक एवं श्रद्धापूर्वक अधिष्ठापित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री पूरी श्रद्धा के साथ अधिष्ठापन कार्य एवं पूजा समारोह में शामिल हुए और भगवान बुद्ध को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान परम पावन दलाई लामा जी के लिखित संदेश को भी पढ़ा गया। कार्यक्रम में 15 देशों के प्रमुख बौद्ध भिक्षुगण एवं बौद्ध धर्मावलंबी उपस्थित हुए।इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित बौद्ध भिक्षुओं ने पवित्र अवशेष के अधिष्ठापन के दौरान विधिपूर्वक मंत्रोच्चारण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को प्रमुख बौद्ध भिक्षुओं ने प्रतीक चिह्न, अंगवस्त्र एवं पुस्तक भेंटकर उनका स्वागत किया।

अधिष्ठापन कार्य के पश्चात मुख्यमंत्री ने भू-तल पर अधिष्ठापित भगवान बुद्ध की मूर्ति के समक्ष पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री ने बुद्ध सम्यक संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप परिसर में बोधगया के पवित्र बोधि वृक्ष के शिशु पौधे का रोपण किया।

मुख्यमंत्री ने मेकिंग ऑफ बुद्ध सम्यक संग्रहालय एवं स्मृति स्तूप दीर्घा का फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने इस दीर्घा में भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित गतिविधियों, कार्यकलापों एवं आध्यात्मिक संदेशों पर आधारित कलाकृतियों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने बुद्ध सम्यक संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप परिसर का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्था की जानकारी ली।

इस दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव, कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को बताया कि यहां 500 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित किया गया है।इससे पूरे परिसर को सौर ऊर्जा का लाभ मिलेगा। भवन निर्माण विभाग के सचिव ने मुख्यमंत्री को बुद्ध सम्यक संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप की आकृति का प्रतीक चिह्न भेंट किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सभी बिहारवासियों के लिए ऐतिहासिक और गौरव का पल है। हमने बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप के निर्माण कार्य का लगातार निरीक्षण किया ताकि निर्माण कार्य विशिष्ट ढंग से जल्द-से-जल्द पूर्ण हो सके। बड़ी खुशी की बात है कि वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का उद्घाटन किया गया है। इस परिसर का स्वरूप पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी काफी अच्छा बनाया गया है ताकि यहां आने वाले पर्यटकों को सुखद अनुभूति हो। उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 में हम वैशाली में आये और 4 दिन तक यहाँ रहे थे। इस दौरान हमने मड स्तूप, अभिषेक पुष्पकरणी तालाब तथा आसपास के स्थानों को देखा। जब हम मड स्तूप को देखने गये तो पता चला कि मड स्तूप के नीचे मिले अस्थि अवशेषों को पटना म्यूजियम में रखा गया है।तब यह विचार आया कि यहाँ पर एक स्तूप बनाया जाय और उसमें यहाँ से मिले अस्थि अवशेषों को वैशाली में ही रखा जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप के प्रथम तल पर भगवान बुद्ध का पावन अस्थि कलश स्थापित किया गया है।

भगवान बुद्ध का अस्थि अवशेष 6 जगहों से प्राप्त हुआ जिसमें वैशाली के मड स्तूप से जो अस्थि अवशेष मिले वह सबसे प्रामाणिक है जिसका जिक्र चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी अपनी पुस्तक में किया है। बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप न केवल वैशाली को वैश्विक बौद्ध मानचित्र पर प्रतिष्ठित करेगा, बल्कि पर्यटन, संस्कृति और रोजगार को भी नई दिशा देगा। वैशाली ऐतिहासिक और पौराणिक भूमि है जिसने दुनिया को पहला गणतंत्र दिया। यह नारी सशक्तीकरण की भी भूमि रही है। बौद्ध धर्मावलंबियों के संघ में पहली बार यहां महिलाओं को शामिल किया गया। बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय एवं स्मृति स्तूप बिहार की सांस्कृतिक धरोहर और वैश्विक बौद्ध विरासत का भव्य प्रतीक है। 72 एकड़ भूमि पर इस भव्य स्तूप का निर्माण राजस्थान के गुलाबी पत्थरों से किया गया है। बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप में पुस्तकालय, संग्रहालय, तालाब, गेस्ट हाऊस, एमपी थियेटर, कैफेटेरिया आदि का निर्माण कराया गया है। सौर ऊर्जा संयंत्र के साथ-साथ इस परिसर में बेहतर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इस स्तूप का वर्ष 2019 में शिलान्यास किया गया था। भगवान बुद्ध जगह-जगह घूमा करते थे। इस दौरान वे राजगीर के वेणुवन में रहे और फिर यहाँ से बोधगया चले गये थे जहाँ उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई। भगवान बुद्ध ज्ञान प्राप्ति के बाद उत्तर प्रदेश के सारनाथ चले गये जहाँ उन्होंने पहला उपदेश दिया। उसके बाद वे पुनः राजगीर आये और गृद्धकूट पर्वत पर उपदेश देने लगे। इसके बाद भगवान बुद्ध वैशाली में ठहरे और फिर केसरिया (पूर्वी चम्पारण), लौरिया नन्दन गढ़ (पश्चिमी चम्पारण) होते हुए कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) पहुंचे थे। अंत में ये बहुत बीमार हो गये थे और उत्तर प्रदेश के कुशीनगर पहुँचे जहाँ उनका निधन हो गया।

राज्य सरकार ने राज्य में भगवान बुद्ध से जुड़े सभी स्थलों का विकास कराया है। राजगीर के वेणुवन के क्षेत्र को बढ़ाया गया है और इसका सौंदर्गीकरण कराया गया है। गृद्धकूट पर्वत पर आने-जाने के लिए रास्ते को ठीक कराया गया है। घोड़ा कटोरा में भगवान बुद्ध की 50 फीट ऊँची प्रतिमा लगायी गयी है। वर्ष 2010 में पटना में बुद्ध स्मृति पार्क एवं बुद्ध स्तूप का निर्माण कराया गया है। अब वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय -सह- स्मृति स्तूप का उद्घाटन किया गया है। बौद्ध पर्यटक स्थलों को एक सर्किट में जोड़ा गया है। बोधगया आने वाले पर्यटक राजगीर, राजगीर से पटना, पटना से वैशाली तथा वैशाली से केसरिया स्तूप, लौरिया नन्दन गढ़ होते हुए पश्चिमी चम्पारण जिले में गंडक नदी पर निर्मित धनाह-रतवल (गौतम बुद्ध) सेतु से कुशीनगर जा सकते हैं।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री, सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री, विजय कुमार सिन्हा, ऊर्जा सह योजना एवं विकास मंत्री सह वैशाली के प्रभारी मंत्री, बिजेन्द्र प्रसाद यादव, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री, विजय कुमार चौधरी, भवन निर्माण मंत्री, जयंत राज, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री, मोतीलाल प्रसाद, विधायक, सिद्धार्थ पटेल, जदयू के प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष, उमेश कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, बिहार संग्रहालय के महानिदेशक, अंजनी कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव, दीपक कुमार, मुख्य सचिव, अमृत लाल मीणा, विकास आयुक्त, प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक, विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव सह भवन निर्माण विभाग के सचिव, कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी, गोपाल सिंह, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव, प्रणव कुमार, संग्रहालय निदेशालय एवं पुरातत्व निदेशालय की निदेशक, रचना पाटिल, तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त, राजकुमार, जल संसाधन विभाग के अपर सचिव, यशपाल मीणा, तिरहुत प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक, चंदन कुशवाहा, वैशाली की जिलाधिकारी, वर्षा सिंह, पुलिस अधीक्षक, ललित मोहन शर्मा, बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति (बी०टी०एम०सी०) की सदस्य सचिव बौद्ध भिक्षु, महाश्वेता महारथी सहित बौद्ध भिक्षुगण, गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

नाले पर खादी माल के निर्माण का अधिवक्ताओं ने किया विरोध

डीएम पोर्टिको में नगर आयुक्त के खिलाफ लगाए नारे

डीएम पोर्टिको में प्रदर्शन करते हुए अधिवक्तागण। (छायाः एसबी)

एसबी संवाददाता

वाराणसी। खादी ग्रामोद्योग चौका घाट पर प्रधानमंत्री के आगामी दौरे पर खादी ग्रामोद्योग के जमीन पर प्रस्तावित खादी माल के निर्माण की भनक जब मंगलवार को अधिवक्ताओं को लगी तो बनारस बार के पूर्व महामंत्री और आरटीआई एक्टिविस्ट नेतृत्व नित्यानंद राय के नेतृत्व में अधिवक्ताओं समूह जिलाधिकारी से मिलने उनके कार्यालय पहुंचा और जब जिलाधिकारी नही मिले तो वहीं डीएम पोर्टिको में धरना-प्रदर्शन करने लगे।

धरना स्थल पर अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए आरटीआई एक्टिविस्ट नित्यानंद ने कहा कि एक तरफ खादी ग्रामोद्योग आयोग क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी गुपचुप तरीके से नाले समेत विवादित जमीन पर खादी माल बनाने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं 2016 से नाले पर खादी माल का विकास प्राधिकरण में प्रस्तुत नक्शा दसियो बार खारिज हो चुका है फिर भी खादी ग्रामोद्योग आयोग डिटई पर अमादा है। अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए सेन्ट्रल बार के उपाध्यक्ष दीपक राय कान्हा ने कहा कि सेंट्रल बार एसोसिएशन व बनारस बार एसोसिएशन ने खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा नाले पर अवैध कब्जे के खिलाफ 1998, 2004, 2014 में प्रस्ताव पारित किया हुआ है। पिछले 29 सालो से आयोग के नाले पर अवैध कब्जा किया हुआ है।

आयोग ने कुल पांच आराजी दो गांव लच्छीपुरा व जैतपुरा में फर्जी व्यक्ति कृष्ण प्यारे त्रिपाठी को खडा कर खरीदा जिसमें से दो आराजी 234, 235 बन्दोबस्ती नाला है वह दो आराजी 15, 16 मौजा जैतपुरा बंजर है, बैनामा लेने से पहले कानुनी प्रक्रियाओं का पालन भी नहीं किया थो हाईकोर्ट ने भी नाले पर से अतिक्रमण हटाने का आदेश पारित किया हुआ है।

सामाजिक कार्यकर्ता अधिवक्ता गौतम कुमार झा ने कहा कि शिकायत पर तत्कालीन मण्डलायुक्त दीपक अग्रवाल ने तब के जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा को जांच सौंपी। कौशल राज शर्मा ने जांच के लिए एडीएम प्रशासन, एएसडीओ, तहसीलदार की टीम बनाई लेकिन जांच अभी तक पुर्ण नहीं हुई है और गुपचुप तरीके से सरकारी नाले पर माल तैयार करने की योजना बनायी जा रही है।

धरना प्रदर्शन में नित्यानंद राय, सेंट्रल बार उपाध्यक्ष दीपक राय कान्हा, घनश्याम सिंह भेलखा, आशीष सिंह, धीरेन्द्र श्रीवास्तव, सतीश यादव, शनि कुमार, विधु प्रकाश पाण्डेय, चन्दू सिंह, झरमन महाराज, गौतम कुमार झा समेत दर्जनों वकील रहे।

अधिवक्ता नारा लगा रहे थे। मोदी जी से एक सवाल क्या नाले पर बनेगा खादी माल, मोदीजी से एक गुहार बन्दोबस्ती नाला बचावे, मोदी तक हमारी बात पहुंचाओ बन्दोबस्ती नाला से आयोग का कब्जा हटाओ। अधिवक्ता का कहना है कि इस बार निर्णायक लड़ाई लडी जायेगी। मांगे न मानने पर जिलाधिकारी का घेराव किया करेंगे।

करनाल में क्लाइमेट-स्मार्ट बासमती चावल पर जागरूकता अभियान

जलवायु के अनुकूल खेती से सिंचाई में 12% और मीथेन उत्सर्जन में 36% की कमी

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। पर्यावरणीय संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए करनाल में एक नई पहल के तहत क्लाइमेट-स्मार्ट बासमती चावल परियोजना चलाई जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य खेती को अधिक टिकाऊ बनाना है, ताकि सिंचाई जल की खपत, उर्वरकों के प्रयोग और वातावरण में मीथेन जैसी हानिकारक गैसों के उत्सर्जन को कम किया जा सके।

इस परियोजना को बहुराष्ट्रीय कृषि कंपनी सिंजेंटा और इब्रो इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जा रहा है। हाल ही में करनाल में किसानों और संबंधित अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें टिकाऊ कृषि के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर सिंजेंटा समूह की मुख्य सततता अधिकारी पेट्रा लॉक्स और इब्रो इंडिया के प्रबंध निदेशक ग्राहम कार्टर ने क्षेत्र का दौरा किया और खेतों में अपनाई जा रही तकनीकों का अवलोकन किया। परियोजना के अंतर्गत किसानों को 'वैकल्पिक गीलापन और सुखाने' जैसी आधुनिक तकनीकें सिखाई जा रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप सिंचाई में लगभग 12 प्रतिशत पानी की बचत और मीथेन उत्सर्जन में 36 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, मिट्टी परीक्षण आधारित उर्वरक प्रबंधन के माध्यम से 33 प्रतिशत तक उर्वरकों की खपत में भी कमी आई है।

किसानों को पराली प्रबंधन, फसल सुरक्षा उपायों और जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों पर भी प्रशिक्षण दिया गया। परियोजना के तहत किसान न केवल पर्यावरण के अनुकूल तरीके से खेती कर रहे हैं, बल्कि लागत घटाकर लाभ भी बढ़ा रहे हैं। इब्रो इंडिया के एमडी ग्राहम कार्टर ने बताया कि यह परियोजना वर्तमान में हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के 12,000 एकड़ क्षेत्र में 900 से अधिक किसानों के साथ क्रियान्वित की जा रही है। इसका उद्देश्य कृषि को जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक अनुकूल और टिकाऊ बनाना है। क्लाइमेट-स्मार्ट बासमती चावल परियोजना आने वाले समय में हरित क्रांति की नई मिसाल बन सकती है, जो पर्यावरण संतुलन और किसान हितों दोनों की रक्षा करती है।

मत्स्य पालन विभाग द्वारा पंचायती तालाब में किया गया पांच लाख मछली के बीजों का संचय

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। जिला मत्स्य अधिकारी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजना रानी ने बताया कि निदेशक मत्स्य पालन विभाग हरियाणा के आदेशों की अनुपालना में गत दिवस जिला के गांव प्यौंत में रैंचिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि नीलोखेड़ी के विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने शिरकत की। इस मौके पर विधायक ने बताया कि मत्स्य पालन के विकास और प्रबन्धन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत प्यौंत के पंचायती तालाब में मत्स्य पालन विभाग द्वारा पांच लाख मछली के बीजों का संचय किया गया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा किसानों को मत्स्य पालन के लिए विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता मुहैया करवाई जा रही हैं। इनमें इनटैंसिव फिशरीज स्कीम के तहत दी जाने वाली वित्तीय सहायता में तालाबों का सुधार, सोलर सिस्टम, जाल खरीद, खाद खुराक पर अनुदान और झींगा फसल बीमा योजना शामिल हैं।

जिला मत्स्य अधिकारी रजंना रानी ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत नए तालाब की खुदाई, खाद खुराक, एकीकृत सजावटी मछली की इकाई व ताजा जल की मछली के लिए प्रजनन और पालन हैचरी, बड़े आर.ए.एस. की स्थापना न्यूनतम 90 मीटर कयूब टैंकों की क्षमता और मछली उत्पादन 40 टन, फसलों के 8 टैंकों के साथ बायोफ्लॉक कल्चर सिस्टम 4 मीटर व्यास और 1.5 मीटर ऊंचाई के 50 टैंक, मध्यम आर.ए.एस. की स्थापना आदि के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है।

आयुष्मान कार्ड धारकों का जीवन संकट में: सैलजा

एसबी विशेष संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा में आयुष्मान भारत योजना एक बार फिर संकट के दौर से गुजर रही है। योजना के अंतर्गत आने वाले लाखों गरीब मरीजों का उपचार बंद होने के कगार पर है। कारण है- निजी अस्पतालों को पिछले चार महीनों से लगभग 500 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित होना। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने साफ चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने भुगतान नहीं किया, तो 7 अगस्त की रात 12 बजे से योजना के तहत मरीजों का इलाज बंद कर दिया जाएगा।

इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की लापरवाही और भुगतान में टालमटोल के कारण आज आयुष्मान कार्ड धारकों का जीवन संकट में पड़ गया है। सैलजा ने कहा, "हर बार आईएमए को विरोध का रास्ता अपनाना पड़ता है, और अब यह स्थिति उत्पन्न हो गई है कि जरूरतमंद मरीजों का इलाज ही बंद हो सकता है। सरकार की यह मनमानी जनजीवन और जनस्वास्थ्य के अधिकारों का खुला उल्लंघन है।" उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य गरीबों को मुफ्त इलाज मुहैया कराना था, लेकिन अब अस्पतालों द्वारा मरीजों को यह कहकर लौटा दिया जा रहा है कि "आयुष्मान कार्ड मान्य नहीं है।" यह हालात गंभीर स्वास्थ्य संकट को जन्म दे सकते हैं।

कांग्रेस सांसद ने सरकार से की तीन प्रमुख मांगें: 1. प्राइवेट अस्पतालों के सभी लंबित बिलों का 7 अगस्त से पूर्व भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

2. योजना से जुड़े पोर्टल पर तकनीकी खामियों को दूर कर अस्पतालों को फिर से पैनल में जोड़ा जाए।

3. बिलों की मनमानी कटौती व भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जाए।

सैलजा ने कहा कि हरियाणा में लगभग 600 निजी अस्पताल आयुष्मान योजना से जुड़े हुए हैं, जो गरीब मरीजों को 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त में मुहैया कराते हैं। यह योजना सितंबर 2018 में शुरू हुई थी, और इसके तहत चिरायु कार्ड तथा चिरायु एक्सटेंशन कार्ड भी जारी किए गए हैं, ताकि अधिकतम जरूरतमंदों को लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि आईएमए प्रतिनिधिमंडल ने इस वर्ष 8 जनवरी को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की थी, तब 15 दिन में भुगतान का आश्वासन दिया गया था। 3 फरवरी को सीएम के प्रधान सचिव और मुख्य सचिव से भी इस मुद्दे पर बैठक हुई, लेकिन आज तक समाधान नहीं हुआ।

आईएमए के पदाधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया है कि सरकार की ओर से नए पोर्टल पर अस्पतालों को दोबारा पैनल में शामिल करने में भी भेदभाव और देरी की जा रही है, और जब बिल भेजे जाते हैं तो उनमें अधिकारियों द्वारा मनमानी कटौती कर दी जाती है, जिससे अस्पतालों को आर्थिक और मानसिक तौर पर प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है।

सैलजा ने मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा, "यह योजना गरीबों के लिए जीवनरेखा है, और इसके बंद होने से राज्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो सकता है।

हरियाणा पुलिस अकादमी में वॉलीबॉल और रस्सा-कसी प्रतियोगिता का आयोजन, खिलाड़ियों का जोश देख दर्शक भी हुए मंत्रमुग्ध

खेलों से मिलता है मानसिक और शारीरिक बलः डॉ. अरशिन्दर सिंह चावला

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन में मंगलवार को वॉलीबॉल और रस्सा-कसी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का समापन समारोह अकादमी के निदेशक डॉ. अरशिन्दर सिंह चावला की मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। डॉ. चावला ने विजेता टीमों को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया और सभी खिलाड़ियों को खेल भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए बधाई दी।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल जीवन का अहम हिस्सा हैं। ये न केवल शरीर को ताकतवर बनाते हैं, बल्कि मानसिक मजबूती और नेतृत्व क्षमता का विकास भी करते हैं। उन्होंने कहा, "जीवन में खेलों की निरंतरता बनाए रखें। आधुनिक जीवनशैली की व्यस्तता में शरीर को समय देना भी जरूरी है, क्योंकि 'पहला सुख निरोगी काया' एक शाश्वत सत्य है।"

प्रतियोगिता का संचालन पुलिस उप-अधीक्षक जयभगवान के नेतृत्व में किया गया। महिला वर्ग में रैक्रूट मूल प्रशिक्षण बैच संख्या 93 और लोयर स्कूल कोर्स बैच संख्या 69 के बीच वॉलीबॉल मुकाबला हुआ, जिसमें बैच 93 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। पुरुष वर्ग में भी यही बैच आमने-सामने थे और एक बार फिर रैक्रूट मूल प्रशिक्षण बैच संख्या 93 विजयी रहा।

रस्सा-कसी प्रतियोगिता में रोमांच चरम पर रहा। महिला और पुरुष दोनों वर्गों में आउटडोर स्टाफ ने जबरदस्त तालमेल और शक्ति प्रदर्शन करते हुए इंडोर स्टाफ को पराजित किया। दर्शकों ने जोरदार नारेबाजी के साथ खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और खेल के हर क्षण का भरपूर आनंद लिया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में उप निरीक्षक शीशपाल, सहायक उप निरीक्षक मनीष, सिपाही निशा, सिपाही तृप्ता ने निर्णायक और उप निरीक्षक रविन्द्र ने स्कोरर की भूमिका निभाई।

इस मौके पर अकादमी के पुलिस अधीक्षक बलजिन्द्र सिंह, उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती गीतिका जाखड़, श्री नरेश कुमार, श्रीमती मनीषा, श्री जयभगवान सहित प्रशिक्षणार्थी व स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे। अंत में डॉ. चावला ने घोषणा की कि आगामी प्रतियोगिताओं में मैराथन को भी शामिल किया जाएगा और विजेताओं को मैडल से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से निरंतर अभ्यास करते रहने की प्रेरणा दी।

कर्मचारियों ने ऑनलाइन मॉडल पॉलिसी के विरोध में किया प्रदर्शन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन ने ऑनलाइन मॉडल पॉलिसी के विरोध में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने ऑनलाइन मॉडल पॉलिसी की प्रतियां जलाकर रोष जताया। सब यूनिट प्रधान अजमेर जागलान ने विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता की व मंच का संचालन कृष्ण पाई ने किया।

इस अवसर सब यूनिट व यूनिट के पदाधिकारियों व कर्मचारियों ने सरकार व मैनेजमेंट का विरोध किया। सर्व कर्मचारी संघ के ब्लॉक प्रधान कपिल शर्मा, यूनिट प्रधान नरेंद्र पहल, यूनिट सचिव रामबीर शर्मा, वरिष्ठ उपप्रधान सुरेश शर्मा तथा यूनिट खजांची सुखदर्शन सिंह ने विरोध प्रदर्शन में विशेष रूप से शिरकत की। विरोध प्रदर्शन में अपने विचार व्यक्त करते हुए नरेंद्र मोर ने कहा कि यदि सरकार व मैनेजमेंट ने मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को वापस नहीं लिया तो यूनियन बड़ा आन्दोलन करने पर मजबूर होगी। सर्व कर्मचारी संघ के ब्लॉक प्रधान कपिल शर्मा व यूनिट प्रधान नरेंद्र पहल ने कहा कि ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी कर्मचारी हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी को वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार व मैनेजमेंट ने यदि उनकी मांगों की ओर ध्यान नहीं दिया तो ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन आन्दोलन करने के लिए मजबूर होगी।

रत्तक राजकीय स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रत्तक में स्टाफ सदस्यों व बच्चों नें पौधारोपण किया। ताकि पर्यावरण शुद्ध होने के साथ स्कूल में हरियाली हो सके। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ. विनोद कुमार ने पौधा रोपण करके किया। कार्यक्रम का संचालन इको क्लब के प्रभारी पवन शर्मा ने किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने कहा कि पेड़ पौधों के बिना जीवन असम्भव है। मानव जीवन के लिए सांस लेने के लिए ऑक्सीजन अति आवश्यक है। जो कि पेड़ पौधों में वनस्पतियों से मिलती है। इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधे रोपित करने चाहिए ताकि हम स्वच्छ पर्यावरण में सांस ले सकें और अपने जीवन को बीमारियों से दूर रख सके। इस अवसर पर कुछ विद्यार्थियों ने अपनी मां

के नाम पौधारोपण किया।

इस अवसर पर मनिंदरजीत कौर, सीमा देवी, जितेंद्र कुमार, सुल्तान सिंह, पवन शर्मा, अंकित, दीपक, गुरमुख सिंह, देवेंद्र गौड़, पूनम रानी आदि अध्यापक उपस्थित थे।

हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर कैथल पुलिस ने किए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध

शांतिपूर्ण तरीके से निर्बाध व नकल रहित परीक्षा संपन्न करवाने हेतु पुलिस शरारती तत्वों पर करेगी सख्त कार्रवाई

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला में 30 व 31 जुलाई को आयोजित होने वाली हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा (एचटेट) के सफल व शांतिपूर्ण तरीके से संचालन को लेकर कैथल पुलिस द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी के दिशा-निर्देशानुसार करीब 350 पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एसपी आस्था मोदी द्वारा सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों व थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए गए कि वे दिनांक 30 व 31 जुलाई को 25 परीक्षा केन्द्रों पर एचटेट परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों से सद्द व्यवहार करे तथा असामाजिक तत्वों के साथ कड़ाई पूर्वक निपटने में संकोच न करें ताकि परीक्षार्थियों द्वारा दी जाने वाली परीक्षा निर्बाध रूप से नकल रहित एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाई जा सके। पुलिस द्वारा सभी परिक्षा केन्द्रों पर समुचित संख्या में पुलिस बल तैनात करने के अतिरिक्त पीसीआर व राइडर को आदेश दिए गये है कि वे इन क्षेत्रों में प्रभावशाली निरंतर पेट्रोलिंग करे। अगर उनके किसी काम में अनियमितता पाई गई तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एसपी आस्था मोदी ने जानकारी देते हुए बताया कि 30 व 31 जुलाई को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा एचटेट लिखित परीक्षा के लिए आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए पुलिस द्वारा सभी 25 परिक्षा केन्द्रों पर समुचित प्रबंध किए गए है। 30 जुलाई को सायं कालीन सत्र तथा 31 जुलाई को सुबह व सायं कालीन सत्र में परीक्षा होगी। परीक्षा को बगैर किसी बाहरी हस्तक्षेप के संपन्न करवाने तथा कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों को चेतावनी देते हुए पुलिस को इस प्रकार के तत्वों के खिलाफ कड़ाई पूर्वक निपटने के आदेश दिए गये है।

एसपी कैथल आस्था मोदी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिलाधीश कैथल के द्वारा सभी परिक्षा केन्द्रों के आसपास परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लगाने के आदेश पारित किए जा चुके है, अतः परिक्षा केन्द्रों के आसपास भीड़ एकत्रित नहीं होने दी जाएगी व परीक्षा केंद्रों के आसपास की किसी भी फोटो स्टेट की दुकान को खोलने की अनुमति नहीं होगी। एसपी ने बताया कि यातायात थाना प्रभारी को आदेश दिए गए है कि परीक्षार्थियों के वाहनों की पार्किंग निर्धारित किए गए स्थानों पर करवाना सुनिश्चित करे तथा निर्बाध यातायात संचालन रखे।

पद्म पुरस्कारों के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदनः डीसी प्रीति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पात्र व्यक्ति आगामी 31 जुलाई, 2025 तक नामांकन भर सकते हैं। इन पुरस्कारों में पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री पुरस्कार शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि इन राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नामांकन अथवा अनुशंसा केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अवार्ड.जीओवी.इन पर ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी। नामांकन करने वाले व्यक्ति अधिकतम 800 शब्द का एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति-पत्र जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और अन्य उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख किया गया हो, प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि कि पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिए उत्कृष्ट-कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं।

डीसी कैथल प्रीति।

जाति, व्यवसाय, पद या लैंगिक भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। डॉक्टर और वैज्ञानिकों को छोड़कर सार्वजनिक उपक्रम में काम करने वाले सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं। इस संबंध में और अधिक विवरण वेबसाइट पदमा अवार्ड.जीओवी.इन पर उपलब्ध है।

वार्ड 12 की सफाई ठीक से न करने पर नागरिकों ने नपा सचिव को भेजी शिकायत

सफाई में कोताही बरतने वालों की जांच कर सख्त कार्यवाही की जाएगी-नपा सचिव

एसबी ब्यूरो

राजौंद। नगर राजौंद में सिवरेज पाइपलाइन दबाने के कार्य के चलते नगर की सड़के, गलियां उखाड़ी गई है। जिस कारण से नगर की सफाई व्यवस्था कायम रखना नपा के लिए मुश्किल साबित हो रहा है। नगर के वार्ड 12 निवासी राजेश तर्कशील, दिलबाग, मुकेश, गौरव, राकेश, सुंदर लाल, मुनीश, सुरेश, ईश्वर, रामसिंह सहित अन्य ने नपा सचिव नरेंद्र शर्मा को लिखी शिकायत में आरोप लगाया कि राजौंद के सफाई कर्मचारी एक दूसरे की फोटो खींचने में ज्यादा ध्यान देते हैं। सफाई व्यवस्था की ओर ध्यान कम देते हैं। शिकायत में लिखा गया है कि कमीयों को सफाई के लिए कहने पर एससी एक्ट लगने की धमकी देते हैं। आरोप लगाया गया है कि सफाई कर्मी गली, नाले की सफाई की फोटो खींच कर नपा अधिकारियों को भेजते हैं और उसके बाद काम छोड़कर चले जाते हैं। नागरिकों ने कहा कि सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार का सफाई कमीयों पर नियंत्रण नहीं है। आरोप लगाया कि सफाई कर्मचारी कैथल रोड पर स्थित रैन-बसेरा में सुबह सात बजे हाजरी लगाने आते हैं। वे अपने साथ साफ-सफाई का कोई सामान नहीं ले कर आते। हाजरी लगाने के बाद सफाई कर्मचारी अपने घर चले जाते हैं। उसके बाद मनमर्जी के समय पर वापिस वार्ड में जाते हैं।

सफाईकर्मी ब्लॉक प्रधान संदीप कुमार ने बताया कि सुबह हाजरी लगाने के बाद कोई सफाई कर्मचारी घर नहीं जाता, सभी कर्मी वार्ड में जा कर सफाई करते हैं। सफाई दरोगा सुरेश कुमार ने कहा कि मंगलवार को सफाई कर्मचारी वार्ड 12 में सफाई करने गए थे। वहां से उन्हें वाल्मीकि मंदिर व आसपास सफाई करने व जंगली घास पर स्प्रे करने की ड्यूटी मिली थी। सफाई कर्मी भजनी ने कहा कि वह सुबह पांच बजे ही राजौंद के मेन बाजार में झाड़ु से प्रतिदिन सफाई कर देता है। संजीव कुमार पूर्व सफाई दरोगा ने कहा कि वह अपना काम ईमानदारी से करता है। वार्ड में उसकी कोई शिकायत नहीं है। ब्लॉक प्रधान संदीप कुमार ने बताया कि वार्ड नंबर 12 के नागरिकों की जो सुबह के समय की शिकायत थी दोपहर बाद नालों की सफाई करवा दी गई है। अगर थोड़ा बहुत कम रह गया होगा तो उसे बुधवार सुबह पूरा कर दिया जाएगा। नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी नियुक्ति साफ सफाई के लिए सरकार व प्रशासन के द्वारा की गई है। वे हमेशा ही नागरिकों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।

नगर के वार्ड 11-12 में गन्दगी से अटे नाले व जंगली घास पर स्प्रे करते सफाई कर्मचारी। (छाया: एसबी)

नागरिकों ने बताया कि राजौंद में सफाई कर्मचारियों के दो गुट बने हुए हैं। जो आपस में लड़ते झगड़ते रहते हैं। कभी-कभी यह नगर पालिका प्रशासन व एक- दूसरे से भी लड़ते हुए देखे जाते हैं। एक दूसरे को नीचा दिखाने का प्रयास करते रहते हैं। एक दूसरे की शिकायत अक्सर पुलिस थाना राजौंद में करते रहते है। यह एक दूसरे के काम में कमी निकालते हैं। अपने काम को बेहतर बताते हैं। वास्तव में इनका ज्यादा ध्यान साफ सफाई के अपेक्षा आपसी लड़ाई झगडे पर होता है। नागरिकों ने आरोप लगाया कि कुछ सफाई कर्मचारी ड्यूटी के सामने में शराब, सुल्फा आदि के नशे में रहते हैं। राजौंद मार्केट यूनियन व नागरिकों ने नपा सचिव से अनुरोध किया है कि नगर में सफाई कर्मचारी को फोटो सेशन की बजाए नगर की ठीक प्रकार से सफाई करने, समय पर ड्यूटी पर पहुंचने के निर्देश देवें।

मामले के बारे में नपा सचिव नरेंद्र शर्मा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि वे प्रशासनिक कार्यों से बाहर गए हुए हैं। नगर पालिका के सफाई कर्मचारी संबंधी शिकायत की जांच करवाई जाएगी। सफाई में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सफाई कार्यों में लापरवाही बरतने वाले सफाई कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी व उच्च अधिकारियों को भी उनकी शिकायत भेजी जाएगी। इसके जिम्मेदार काम में लापरवाही बरतने वाले सफाई कर्मचारी खुद होंगे।

मक्का बनेगी किसानों की मजबूत फसल, टिकाऊ खेती पर मिला प्रशिक्षण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। आईआईएमआर, लुधियाना और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएसएचएयू), करनाल के संयुक्त तत्वावधान में मक्का की टिकाऊ खेती को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा दिन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। एफएओ (संयुक्त राष्ट्र) द्वारा वित्तपोषित इस परियोजना का उद्देश्य हरियाणा और पंजाब के चयनित ब्लॉकों में मक्का की खेती को बढ़ावा देना है।

करनाल ब्लॉक के गंजो गढ़ी, संगोहा और काचवा गांवों में आयोजित इन प्रशिक्षणों में 125 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मक्का को धान के विकल्प के रूप में अपनाने की संभावनाओं पर जोर दिया गया।

सीसीएसएचएयू, करनाल के निदेशक डॉ. ओ.पी. चौधरी ने मक्का के प्रमुख कीटों व उनके एकीकृत प्रबंधन की जानकारी दी। परियोजना प्रमुख डॉ. एस.एल. जाट ने बताया कि खरपतवार और पोषक तत्व प्रबंधन मक्का की गुणवत्ता व उत्पादन में सुधार करता है। हरियाणा में 25-30 लाख टन मक्का की मांग के मुकाबले उत्पादन 2 लाख टन से भी कम है, जिससे इसकी खेती में व्यापक संभावनाएं हैं।

डॉ. नरेंद्र सिंह ने पोषण, खरपतवार व समन्वित नियंत्रण तकनीकों की जानकारी दी। आईआईएमआर निदेशक डॉ. एच.एस. जाट ने बताया कि मक्का इथेनॉल जैसे जैव-ईंधन के उत्पादन में भी सहायक है। ग्रो इंडिगो के डॉ. नवीन कुमार ने मक्का के जरिए कार्बन क्रेडिट से अतिरिक्त आमदनी की बात कही।

इस अवसर पर श्रीमती प्रीति शर्मा, किरण कुमारी, डॉ. मनीष ककरालिया और यंग प्रोफेशनल शुभम सैनी सहित अन्य विशेषज्ञों ने भी किसानों को मक्का की आधुनिक खेती की जानकारी दी।